बिजली बंद रहने की शिकायत की थी. वहीं, 33 केवी मेकन सब स्टेशन से 33 केवी लाइन में सेल सिटी के समीप खराबी आ जाने के कारण दिन के एक से 2.30 बजे तक बिजली बंद थी. वहीं, आंधी के कारण सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी कई सब स्टेशनों से बिजली की आपूर्ति बंद कर दी गयी थी.

गया ह. सप्लायर रिम्स द्वारा निकाली जा रही निविदा में भी रुचि नहीं दिखा रहे हैं. लाउंड्री, जांच केमिकल और स्टेशनरी के सामान उपलब्ध कराने वालों का भी पैसा फंसा हुआ है.

हालांकि, इससे ज्यादा राहत नहीं मिलती है. परिजनों ने बताया कि डॉक्टरों से भी इसकी शिकायत की है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है. यह समस्या काफी दिनों से है.

जेबीवीएनएल ने 22 वर्षों में 50,000 करोड़ डुबो दिये : जेसिया

बिजली व्यवस्था को प्रोफेशनल हाथों में देने की मांग

वरीय संवाददाता, रांची

बिजली कटौती के विरोध में झारखंड स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (जेसिया) ने शुक्रवार को मोमबत्ती जला कर प्रेस कॉन्फ्रेंस किया. अध्यक्ष अंजय पचेरीवाला ने कहा कि जेबीवीएनएल बिजली व्यवस्था को चलाने में पूरी तरह से अक्षम है. 22 वर्षों में लगभग 50,000 करोड़ रुपये जेबीवीएनएल ने डुबो दिये. यह जनता का पैसा है. बेहतर होगा कि इसे प्रोफेशनल हाथों में सौंपा जाये. इससे हर साल लगभग 1,500 करोड़ रुपये का नुकसान बंद हो जायेगा. यह सभी के हित में है. आखिर क्या मजबूरी है कि जेबीवीएनएल को ढोया जा रहा है. उन्होंने कहा कि रांची में ही कई क्षेत्र हैं, जहां रोजाना आठ से 10 घंटे बिजली कट रही है.

बिजली कटौती के विरोध में जेसिया ने मोमबत्ती जला कर किया प्रेस कॉन्फ्रेंस.

मुख्यमंत्री के आदेश को गंभीरता से नहीं लेते अधिकारी : श्री पचेरीवाला ने कहा कि मुख्यमंत्री ने निर्बाध बिजली सप्लाई के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिया था. लेकिन, अधिकारी मुख्यमंत्री के आदेश को भी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं. बिजली कटौती के कारण उत्पादन 20 से 25 प्रतिशत कम हो गया है.

हर तरह से लोगों को ठग रहा जेबीवीएनएल : जेसिया के पूर्व सचिव दीपक मारू ने कहा कि बिजली उपभोक्ता हर तरह से ठगे जा रहे हैं. सिक्योरिटी डिपॉजिट पर उपभोक्ताओं को सालाना ब्याज देना है, लेकिन उपभोक्ताओं का यह पैसा अधिकारी दबाये बैठे हैं. न्यूनतम 21 घंटे हर दिन बिजली देनी है, अन्यथा फिक्स्ड चार्ज में आनुपातिक छूट देने का प्रावधान है. लेकिन, इसे लागू नहीं किया जा रहा है. नियामक आयोग के आदेश की अवहेलना हो रही है. मौके पर जेसिया के शिवम सिंह, एसके अग्रवाल, अरुण खेमका, अरुण शर्मा आदि थे.

CamScanner